ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-५८
दिनांक-मंगलवार,२३ जुलाई,२०१९

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.६ एवं २७.७ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९० सुबह में एवं दोपहर में ६५ प्रतिशत, हवा की औसत गति ५.६ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.९ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३१.९ एवं दोपहर में ३५.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पूसा मौसमीय वेद्यशाला में १०.८ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(२४-२८ जुलाई,२०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २४-२८ जुलाई,२०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मध्यम बादल छाये रहने का अनुमान है। उत्तर बिहार के तराई एवं मैदानी जिलों में अगले २४-२५ जुलाई में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं भारी वर्षा भी हो सकती है। इसके बाद (२५ जुलाई) के शेष अवधि में कहीं कहीं हल्की वर्षा हो सकती है।
- अधिकतम तापमान ३३ से ३५ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २३ से २५ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- औसतन ८ से १२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ९० से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ७० से ८० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमान की अवधि में बर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई धान की रोपनी में प्राथमिकता दें। ३० जुलाई से पहले रोपनी संपन्न कर लें। रोपाई पूर्व खेतों की तैयारी के समय कद्दवा के दौरान मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश तथा अगात किस्मों के लिए २५ किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोग्राम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के २-३ दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (३ लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (१.५ लीटर दवा प्रति हेक्टर) या पेन्डीमिथेलीन (३ लीटर दवा प्रति हेक्टर) का ५००-६०० लीटर पानी मे घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव करें। छिड़काव के वक्त खेत में एक से०मी० पानी की उपस्थति रहनी चाहिए।
- उचॅास जमीन में अरहर की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलो नेत्रजन, ४५ किलो स्फुर एवं २० किलो पोटाश तथा २० किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ९, नरेद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। पक्ति से पक्ति की दूरी ६० से०मी० रखें । बीज दर १८ से २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें।
- उचॅास जमीन में बरसाती सब्जियों जैसे-भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई अविलम्ब संपन्न करें। गरमा सब्जियों में नियमित रुप से कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद *पंत मिर्च-३, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल* तथा संकर किस्में *अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी०एस०एस०-२६७* अनुशंसित है। बीज को गिराने से पूर्व थीरम ७५ प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
- खरीफ प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करें। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में लम्बी किस्मों के लिए *अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ, शक्कर चिनियाँ, फिआ-२३* तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए *ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ-१* अनुशंसित है। सब्जी वाली किस्में *बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल, फिआ-३* तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में *कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया* अनुशंसित है। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दुरी २.० मीटर है एवं बौनी जातियों में १.५ मीटर रखें।
- लीची के लिए, मई के अन्त में पकने वाली किस्में जैसे देशी, शाही, अर्ली वेदाना, देहरारोज, पूर्वी तथा रोज सेण्टेड, जून के आरंभ में पकने वाली किस्में जैसे- कसवा, सबौर वेदाना, चाईना तथा लेट बेदाना, जून के मध्य में पकने वाली किस्में जैसे- कसैलिया, लौंगिया, स्वर्णरुपा, सबौर मधु, सबौर प्रिया आदि हैं। उपजाऊ मिट्टी में १० X १० मीटर की दुरी पर पौधों की रोपाई करें।
- आम की अलग-अलग समय में पकने वाली किस्मों की रोपाई करें। मई के अन्त से जून माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दशहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिश्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाशंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेंद्र आम-१, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुशंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दुरी १० मीटर, बीजु के लिए १२ मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को २.५ X २.५ मीटर की दूरी पर लगा सकतें हैं।

आज का अधिकतम तापमानः ३४.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.६ डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २५.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.० डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी